आईक्यूएसी मीटिंग मिनट्स

Date:- 05-12-2022

Event:- IQAC Meeting

Title: - Related to various Quality related issues

Venue:- BSNVPG College, Seminar Hall, Lucknow

Special presence- Sri Ratnaker Shukla Ji, Manager / Secretory

Presided by:- Prof. Ramesh Dhar Dwivedi (Principal)

Coordinated by:-Prof. Ram Kumar (IQAC Co-coordinator)

Members Present-

1. Prof. Sanjai Shukla - Invited Member
2. Prof. Sanjive Shukla - Member
3. Prof. Jyoti Kala - Member
4. Prof. Deepak Kumar Srivastava - Member
5. Prof. Gunjan Pandey - Member
6. Prof. Govind Krishna Mishra - Member
7. Dr. Umesh Kumar Singh - Member
8. Dr. Manjul Trivedi - Member
9. Dr. Pramila Pandey - Member

महाविद्यालय की आइक्यूएसी द्वारा 5 दिसंबर 2022 को प्रातः 11:30 बजे सेमिनार कक्ष में बैठक संपन्न हुई। जिसका कार्यवृत निम्नवत है

1. महाविद्यालय के प्राचार्य ने सर्वप्रथम सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं विशेष रूप से उपस्थित महाविद्यालय के प्रबंधक श्रीमान रत्नाकर शुक्ला जी का समय देने के लिए आभार व्यक्त किया।
2. प्रो0 राम कुमार ने पिछले दिनों अध्यक्ष महोदय श्रीमान टी एन मिश्र जी के द्वारा naac की तैयारियों के संदर्भ में की गई बैठक का विवरण प्रस्तुत किया एवं सभी से अच्छे ग्रेड की लिए अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किये गए बिन्दुओ से अवगत कराया।
3. प्राचार्य ने चल रहे डाटा कलेक्शन तथा कंपाइलेशन की गति को और तीव्र करने पर जोर दिया साथ ही एक छोटी टीम SSR हेतु बनाकर दिसंबर अंत तक एक बार उपलब्ध आंकड़ों को सामने लाने को कहा। साथ ही प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने डेटा की सुरक्षा के लिए एक हार्ड डिस्क रखने का भी सुझाव दिया।
4. प्रबंधक महोदय ने विश्वविद्यालय द्वारा गठित रैंकिंग इंप्रूवमेंट कमेटी से वार्ता कर जनवरी /फरवरी में एक क्वालिटी संबंधी सेमिनार कराने का सुझाव दिया।
5. ओपन जिम की स्थापना हेतु प्रबंधक महोदय ने इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रबंधन से वार्ता की थी जिसमें सफलता मिली है और ओपन जिम को इंटरमीडिएट के ग्राउंड में इंस्टॉल करना है। प्रो0 राम कुमार ने बताया कि प्राचार्य जी के साथ जाकर स्थल का मुआयना किया जा चुका है एवं क्रिकेट

पिच के दोनों तरफ 2 स्थानों का चयन हुआ है जहां पर ओपन जिम लगाया जाएगा। प्रबंधक महोदय ने इसे शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया। महाविद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट को भी इंटरमीडिएट में शिफ्ट करने पर सहमति बनी। एवं बास्केटबॉल ग्राउंड को ऊपर से ढकवा कर मल्टीपल उपयोग में लाने पर भी सहमति बनी। इस हेतु प्रबंधक महोदय ने शीघ्रता पूर्व स्टीमेट प्राप्त करने को निर्देशित किया। साथ में प्रोफेसर नरेंद्र अवस्थी को इंडोर स्पोर्ट्स फैसिलिटी जिसमें कैरम, टेबल–टेनिस, बैडमिंटन आदि हैं हेतु और बेहतरीन बनाने को निर्देशित किया गया।

6. कैंपस को दिव्यांग जन अनुकूल बनाने पर भी चर्चा हुई जिसमें भूतल पर कम कक्षाओं के होने की बात रखी गई जहां आवश्यकता हो वहां पर रैम्प एवं लिफ्ट लगाने के लिए स्थान और एस्टीमेट हेतु वार्ता हुई जिस पर प्राचार्य संभावनाओं का पता लगाएंगे।
7. बाथरूम में पानी की समस्या ना हो इसके लिए इसके लिए श्री रामरूप एवं श्री कृपाराम को निर्देशित किया जायेगा जो एक लॉग बुक बनाकर मोटर चलाने को अंकित करेंगे एवं प्रतिदिन इसकी रिपोर्ट प्राचार्य को देंगे। कुछ समय बाद प्राचार्य इसका अध्ययन कर समस्या के स्थाई समाधान हेतु जो भी आवश्यक कदम होगा उठाएंगे।
8. महाविद्यालय में फीडबैक सिस्टम पहले से ही लागू है इस सिस्टम को naac के अनुरूप बनाने एवं वर्ष में दो बार करने पर सहमति बनी जो विभागाध्यक्षओं के माध्यम से संपन्न किया जाएगा बाद में इसे ऑनलाइन भी किया जा सकता है।
9. महाविद्यालय में वर्चुअल लैब के गठन पर प्रोफेसर राम कुमार ने बताया कि कई विषयों के पाठ्यक्रम में वर्चुअल लैब शामिल किया गया है अतः शैक्षिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु इस पर विचार करना चाहिए। किसी एक विभाग में इसे एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा। इसके लिए सर्वसम्मति से भौतिक विज्ञान विभाग में चलाए जाने पर सहमति बनी। प्रोफेसर संजीव शुक्ला ने इसके साथ ही शिक्षकों से e-content बनाकर कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड करते रहने को भी कहा।
10. सभी विभागों के विभागसह एकेडमिक कैलेंडर बनाकर वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों को आसानी हो। साथ ही प्रत्येक विभाग अपना यूट्यूब चौनल स्थापित करेगा जिसे कॉलेज की वेबसाइट से लिंक किया जाएगा।
11. महाविद्यालय में पीजी कक्षाओं के संचालन के पश्चात लड़कियों हेतु हॉस्टल की मांग बढ़ती जा रही है इस हेतु इच्छुक कैंडिडेटस् की अनुमानित संख्या पता लगाई जाए एवं मांग के अनुरूप किराए पर लेकर एक महिला हॉस्टल खोलने पर सहमति बनी।
12. एनसीसी / एनएसएस के विद्यार्थियों के अतिरिक्त विद्यार्थियों को समाज कार्य से जोड़ने के लिए महाविद्यालय एक्सटेंशन एक्टिविटीज को प्रभावी करेगा। इस दिशा में पहले से कार्यरत संस्थाओं के साथ संबंध स्थापित किये जाने पर सहमति बनाकर कार्यक्रम किए जाएंगे।
13. प्रोफेसर राम कुमार ने मेंटोरिंग सिस्टम लागू करने का सुझाव दिया जिसे सभी सदस्यों ने उपयोगी बताया एवं सभी स्तर के विद्यार्थियों के मध्य लागू करने पर आम राय बनी।
14. इसके साथ ही विद्यार्थी केंद्रित क्लब बनाने पर भी सहमति बनी जिसमे प्रत्येक विद्यार्थी को किसी न किसी क्लब का सदस्य अनिवार्य रूप से होना चाहिए। आवश्यकतानुरूप क्लब को किसी विभाग के संरक्षण में भी दिया जा सकता है।
15. प्रोफेसर गोविंद कृष्ण मिश्र ने महाविद्यालय में संचालित ऐडऑन कोर्सेज की अद्यतन जानकारी दी। अधिकांश विभागों में ऐडऑन कोर्स चल रहे हैं एवं कुछ में चलने वाले हैं और कोर्स समाप्ति के पश्चात एक अच्छा कार्यक्रम करा कर सर्टिफिकेट देने पर सहमति बनी।
16. NIELIT कोर्स में 600 से अधिक एडमिशन होने पर सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त किया और इसे डिजिटल केंपस की तरफ एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा गया। प्रबंधक महोदय ने अच्छी गुणवत्ता परक शिक्षा देने हेतु दो और अध्यापकों को इस पाठ्यक्रम हेतु नियुक्त करने को निर्देशित किया।
17. इसी निमित्त पिछले सप्ताह हुए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के प्रेजेंटेशन से सभी को अवगत कराया गया। क्योंकि वह प्रेजेंटेशन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की बजाय स्कूल मैनेजमेंट सिस्टम का था अतः

उसकी उपयोगिता इन कोर्सेज हेतु नहीं होगी। प्रोफेसर रामकुमार ने बताया कि श्री सत्यव्रत पांडे ऐसे ही एक सिस्टम पर कार्य कर रहे हैं जिसे शीघ्र ही सबके सम्मुख प्रदर्शित किया जाएगा। जिसे अनुमोदन प्राप्त होने पर ऐड ऑन कोर्सेज में भी उपयोग किया जा सकता है।

18. इंटरनल एसेसमेंट को प्रभावी करने के साथ सत्र के प्रारंभ में ही टॉपिक देने पर लाइब्रेरियन के सुझाव पर चर्चा हुई जिससे लाइब्रेरी पर एक साथ अत्यधिक भीड़ ना पड़े। इस पर सदस्यों ने कहा कि थोड़ा पढ़ाई होने के बाद टॉपिक देना ठीक रहता है नहीं तो प्रोजेक्ट बनाने में दिक्कत होती है। इस पर यह राय बनी कि टॉपिक भले ही पहले दे दिया जाए परंतु लास्ट डेट आगे का रखना ठीक रहेगा।
19. भूतपूर्व छात्रों से अपने संबंध को और गहरा करने एवं उनको अपने कार्यक्रमों में बुलाने पर सहमति बनी जिससे महाविद्यालय उनकी क्षमताओं का अधिकाधिक उपयोग कर सके।

आइक्यूएसी द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी प्राचार्य के द्वारा सभी विभागाध्यक्ष तक पहुंचाने के लिए पत्र लिखने का सुझाव दिया गया तथा अंत में कॉर्डिनेटर ने सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया।